समाधान केंद्र बने सिर्फ औपचारिक व्यवस्था, सुधार कराने जाना पड़ रहा भोपाल

नवभारत न्यूज

बैतूल, 5 अगस्त. जिला मुख्यालय पर संचालित पेंशन कार्यालय बंद कर दिये गये है। जिसके कारण अब पेंशनरों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए परेशान होना पड़ रहा है।

दरअसल शासन ने पेंशन व्यवस्था को आधुनिक और केंद्रीकृत बनाने के उद्देश्य से जिलों के पेंशन कार्यालय बंद कर दिए। इसका सबसे बड़ा खामियाजा सेवानिवृत्त कर्मचारी भुगत रहे हैं। पहले जिन कार्यों का निराकरण जिला मुख्यालय पर कुछ दिनों में हो जाता था, अब उन्हीं के लिए भोपाल के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। इससे बुजुर्ग पेंशनरों पर आर्थिक और मानसिक दोनों तरह का अतिरिक्त बोझ बढ़ गया है। नई व्यवस्था में ग्रेच्युटी और पेंशन भुगतान की जिम्मेदारी भी अलग-अलग विभागों को सौंपी है। ग्रेच्युटी का भुगतान पेंशन एवं भविष्य निधि संचालनालय भोपाल द्वारा किया जा रहा है। मासिक पेंशन भुगतान की जिम्मेदारी एसबीआई की केंद्रीकृत प्रोसेसिंग सेल को दी है। यदि किसी प्रकार की गड़बड़ी होती है तो पेंशनरों को दो अलग-अलग विभागों के बीच समन्वय स्थापित करना पड़ता है। पहले दोनों कार्य एक कार्यालय से होने से समस्याओं का समाधान अपेक्षाकृत आसान था। कुल मिलाकर, पेंशन व्यवस्था के केंद्रीकरण का उद्देश्य भले ही प्रशासनिक दक्षता बढ़ाना रहा हो, लेकिन जमीनी स्तर पर यह व्यवस्था सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लिए राहत के बजाय नई परेशानियों का कारण बनती दिखाई दे रही है।

जिला पेंशन कार्यालय बंद, भटक रहे पेंशनर्स

स्टॉप कम होने से बढ़ी दिक्कतें

समाधान केन्द्र में भी नहीं हो रहा समाधान : जिला मुख्यालयों पर शुरू किए गए समाधान केंद्र भी पेंशनरों की समस्याओं का प्रभावी समाधान नहीं कर पा रहे हैं। पहले प्रत्येक जिले में जिला पेंशन कार्यालय संचालित होते थे, जहां पेंशन प्रकरण तैयार करने से लेकर पीपीओ (पेंशन भुगतान आदेश) जारी करने, बैंक को प्रकरण भेजने और पेंशन भुगतान तक की पूरी प्रक्रिया एक ही स्थान पर पूरी हो जाती थी। अब इन कार्यालयों को बंद कर सभी कार्य भोपाल स्थित पेंशन संचालनालय की केंद्रीकृत प्रोसेसिंग सेल को सौंप दिए गए हैं। बैतूल में अब केवल एक समाधान केंद्र संचालित है, जहां सीमित स्टाफ के कारण पेंशनरों को अपेक्षित सहायता नहीं मिल पा रही है।

स्टाफ कम होने से बढ़ी दिक्कत : पहले जिला पेंशन कार्यालय में एक पेंशन अधिकारी, तीन सहायक पेंशन अधिकारी, दो लिपिक और दो भृत्य पदस्थ थे। अब समाधान केंद्र में केवल एक सहायक पेंशन अधिकारी, दो निम्न श्रेणी लिपिक और दो नृत्य ही कार्यरत हैं। अधिकारियों और कर्मचारियों की संख्या घटने से स्थानीय स्तर पर समस्याओं का समाधान लगभग ठप हो गया है। पेंशनरों का कहना है कि जिस व्यवस्था को, प्रक्रियाओं को सरल और तेज करने लागू किया गया था, वहीं अब पेंशनरों के लिए नई मुश्किलों का कारण बन गई है। छोटी-छोटी कमियों को दूर कराने भी पेंशनरों को भोपाल जाना पड़ रहा है।

कमियों को दूर करने जाना पड़ता है भोपाल

जिला पेंशन कार्यालय बंद होने से अब पेशनरों को छोटी-छोटी कमियों को दूर कराने के लिए भी पेंशनरों को भोपाल जाना पड़ रहा है। अधिकांश सेवानिवृत्त कर्मचारी बुजुर्ग हैं, ऐसे में बार-बार राजधानी की यात्रा उनके लिए आर्थिक और शारीरिक रूप से कठिन साबित हो रही है। पेंशनरों का कहना है कि जिला मुख्यालय पर समाधान केन्द्र जरूर खोले गये है, लेकिन यहां उनकी समस्याओं का समाधान पूर्ण रूप से नहीं हो पा रहा है। ऐसे में उन्हें पेंशन से संबंधित जानकारी के लिए भोपाल तक दौड़ लगानी पड़ती है। पेंशनरों का कहना है कि उम्र दराज होने के कारण बार-बार भोपाल आना-जाना उनके लिए हमेशा संभव नहीं होता है और मानसिक-आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

प्रकरण कहां लबित, नहीं मिल पाती जानकारी

नई व्यवस्था की सबसे बड़ी समस्या यह है कि पेंशनरों को यह तक पता नहीं चल पाता कि उनका प्रकरण किस स्तर पर लंबित है। पहले यदि किसी दस्तावेज में कमी या आपत्ति होती थी तो जिला कार्यालय से तुरंत सूचना मिल जाती थी या प्रकरण संबंधित विभाग को वापस स्थानीय स्तर पर समस्याओं का निराकरण लगभग ठप हो गया है। नई व्यवस्था के तहत अब संबंधित विभाग के डीडीओ (ड्राइंग एंड डिस्बर्सिंग ऑफिसर) के लॉगिन से पेंशन प्रकरण सीधे भोपाल स्थित केंद्रीकृत प्रोसेसिंग सेल भेजा जाता है। वहां से जांच और स्वीकृति के लिए प्रकरण किसी भी जिले में भेजा जा सकता है। स्वीकृति मिलने के बाद अंतिम कार्रवाई फिर भोपाल में होती है। पहले यही पूरी प्रक्रिया जिला पेंशन कार्यालय में पूरी हो जाती थी, जिससे समय भी कम लगता था और आवेदक को अपने प्रकरण की स्थिति की जानकारी भी आसानी से मिल जाती थी।

एक नजर में

औद्योगिक क्षेत्र का कलेक्टर ने किया निरीक्षण

बैतूल। कलेक्टर डॉ. सौरभ संजय सोनवणे ने ग्राम चोरडोंगरी पहुंचकर माइक्रो स्मॉल इंटरप्राइजेज क्लस्टर डेवलपमेंट प्रोग्राम के तहत निर्माणाधीन औद्योगिक क्षेत्र का निरीक्षण किया तथा औद्योगिक विकास कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने औद्योगिक क्षेत्र के विकास को गति देने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने औद्योगिक क्षेत्र तक पहुंचने के लिए काफी समय से लंबित एप्रोच रोड की प्रगति की जानकारी ली। साथ ही औद्योगिक क्षेत्र में निवेश के इच्छुक निवेशकों, उपलब्ध सुविधाओं एवं विकास कार्यों की वर्तमान स्थिति की समीक्षा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए। इस अवसर पर प्रबंधक जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र धीरज मंडलेकर, जिला खनिज अधिकारी मनीष पालेवाल सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

13 अगस्त को होगा मेगा स्वैच्छिक रक्तदान अभियान

बैतूल। कलेक्टर डॉ. सौरभ संजय सोनवणे के निर्देशानुसार जेएच कॉलेज ऑडिटोरियम बैतूल में 13 अगस्त 2026 को रक्तांजलि-एक रक्तदान, राष्ट्र के नाम अभियान के अंतर्गत जिला स्तरीय मेगा स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। कलेक्टर ने जिले के सभी विभागाध्यक्षों से अभियान में सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि सभी विभाग अपने अधीनस्थ अधिकारी-कर्मचारियों को रक्तदान के लिए प्रेरित करें तथा संलग्न गूगल फॉर्म के माध्यम से अधिक से अधिक संख्या में उनका पंजीयन कराएं।

मेंटनेंस के कारण बंद रहेगी बिजली

बैतूल। बिजली कंपनी द्वारा 6 अगस्त को मेंटेनेंस कार्य के चलते 11 केव्ही सदर फीडर की विद्युत प्रवाह प्रभावित रहेगी। मध्य प्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड बैतूल शहर जोन-2 के प्रबंधक ने बताया कि गुरुवार को सुबह 10 से दोपहर 2 बजे तक सदर सब स्टेशन के एमपीईबी कॉलोनी, अग्निहोत्री कॉलोनी, सतपाल आश्रम, प्रताप वार्ड, सुपर किराना, सिंडिकेट बैंक, एसबीआई बैंक, गेंदा चौक, ब्रह्माकुमारी आश्रम, मानस नगर, आईटीआई, एफसीआई गोदाम, विनायक रेजिडेंसी आदि क्षेत्र में विद्युत सप्लाई बंद रहेगी।

ढोक्या और पाढर को अलग ग्राम पंचायत बनाने की मांग

बैतूल। जिला मुख्यालय से लगे ग्राम ढोक्या पाढर और पाढर खुर्द के ग्रामीणों ने अपने क्षेत्र को नगर निगम में शामिल किए जाने के प्रस्ताव के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर इस निर्णय को जनभावनाओं के विपरीत बताया। ग्रामीणों का आरोप है कि ग्राम पंचायत डहरगांव ने उन्हें विश्वास में लिए बिना और बिना किसी पूर्व सूचना के गुपचुप तरीके से नगर निगम में विलय का प्रस्ताव पारित कर दिया, जिससे पूरे क्षेत्र में आक्रोश व्याप्त है। ग्रामीणों ने ज्ञापन में बताया कि ढोक्या पाढर और पाढर खुर्द की

बैतूल शहर से दूरी लगभग 20 किलोमीटर है, जबकि वर्तमान पंचायत मुख्यालय डहरगांव शहर से करीब 9 किलोमीटर दूर स्थित है। उनका कहना है कि पूर्व में राजनीतिक कारणों से दोनों गांवों को डहरगांव पंचायत में शामिल किया गया था, जबकि भौगोलिक दृष्टि से इन्हें अलग रखा जाना अधिक उपयुक्त था। अब माचना नदी पर गढ़ा डैम बनने और पिछले दो वर्षों से उसमें जलभराव रहने के कारण पंचायत मुख्यालय से दोनों गांवों का सीधा संपर्क भी टूट चुका है। ग्रामीणों का कहना है कि पंचायत संबंधी कार्यों के लिए अब उन्हें करीब 15 किलोमीटर अतिरिक्त दूरी तय करनी पड़ती है, जिससे आमजन को लगातार परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया है कि ढोक्या पाढर और पाढर खुर्द की संयुक्त आबादी लगभग तीन हजार तक पहुंच चुकी है, जो एक स्वतंत्र ग्राम पंचायत के गठन के लिए पर्याप्त है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि जनभावनाओं का सम्मान करते हुए दोनों गांवों को नगर निगम में शामिल करने का प्रस्ताव तत्काल निरस्त किया जाए। उनका कहना है कि या तो ढोक्या पाढर को स्वतंत्र ग्राम पंचायत का दर्जा दिया जाए।

ग्रीन मुलताई समिति ने उपजेल में किया पौधारोपण

मुलताई। पर्यावरण संरक्षण और हरियाली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ग्रीन मुलताई समिति ने प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी उपजेल परिसर में वृहद स्तर पर पौधारोपण किया। उपजेल परिसर में आयोजित इस विशेष अभियान का नेतृत्व जेलर दिनेश डांगी ने किया, जिसमें समिति के वरिष्ठ एवं सक्रिय सदस्य एमके वर्मा,अतुल बारंगे, आरके मालवीय, प्रो कमलेश सरिया, दीपेश बोथरा, सुनेंद्र देशमुख, निलेश बोबड़े, पवन पाटेकर तथा सौरभ,गगन, सहित चिंटू खन्ना द्वारा पौधरोपण किया गया। इस दौरान परिसर की सुंदरता और उपयोगिता को ध्यान में रखते

हुए बडिंग तकनीक से तैयार उन्नत प्रजाति के आम जैसे गाजरा, लंगड़ा, नीलम और दशहरी सहित परिसर को छायादार और आकर्षक बनाने के लिए गुलमोहर के पौधे लगाए गए। पौधों रोपण के बाद उनकी सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए समिति की ओर से सभी पौधों के लिए ट्री-गार्ड की विशेष व्यवस्था भी की गई है,जिससे सुरक्षित रूप से फल-फूल सकें। ग्रीन मुलताई समिति केवल शहर तक सीमित न रहकर प्रतिवर्षानुसार मां ताप्ती नदी के तटीय ग्रामीण क्षेत्रों में भी व्यापक पौधारोपण अभियान चला रही है।

कलेक्टर डॉ सोनवणे ने बिछुआ में ग्रामीणों से किया संवाद

बैतूल। कलेक्टर डॉ. सौरभ संजय सोनवणे ने बुधवार को सारणी पहुंचकर ग्राम पंचायत शोभापुर के ग्राम बिछुआ में ग्रामीणों से सीधा संवाद किया और उनकी समस्याएं सुनीं। ग्रामीणों ने पुनर्वास के बाद भूमि के पट्टे नहीं मिलने, ग्राम से शहर तक सड़क के अभाव तथा पेयजल की खराब गुणवत्ता जैसी समस्याओं से अवगत कराया। कलेक्टर डॉ. सोनवणे ने तहसीलदार को निर्देश दिए कि जिन हितग्राहियों को अब तक पट्टे प्राप्त नहीं हुए हैं, उनकी सूची के अनुसार पुनर्वास के तत्कालीन प्रावधानों के अनुरूप जांच कर शीघ्र निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने पात्र लोगों के दस्तावेज संबंधी समस्याओं का भी त्वरित समाधान करने के निर्देश दिए। ग्राम से शहर तक सड़क नहीं होने की समस्या पर उन्होंने वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के अधिकारियों को वन विभाग से आवश्यक अनापत्ति प्राप्त कर सड़क निर्माण का प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए। पेयजल समस्या के समाधान के लिए शोभापुर स्थित वाटर ट्रीटमेंट प्लांट से पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने तथा क्षतिग्रस्त बांध के पुनर्निर्माण के निर्देश जनपद पंचायत घोड़ाडोंगरी के सहायक यंत्री को दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि पेयजल की गुणवत्ता में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

विधायक ने विकास शुल्क जमा कराने के दिये निर्देश

मुलताई। नगर में स्थित अवैध कालोनियों से विकास शुल्क जमा कराकर अवैध कालोनियों को वैध कर विकास कार्य कराने के निर्देश विधायक चंद्रशेखर देशमुख ने सीएमओ वीरेंद्र तिवारी को दिए है। बुधवार की शाम करीब साढे 4 बजे विधायक चंद्रशेखर देशमुख अचानक नगरपालिका पहुंचे एवं नगरपालिका अध्यक्ष नीतू परमार एवं सीएमओ वीरेंद्र तिवारी से नगर के विकास कार्यों को लेकर चर्चा की इस दौरान वरिष्ठ भाजपा नेता राजेश पाठक, प्रहलाद सिंह ठाकुर, पार्षद महेंद्र जैन, अजय यादव, रितेश विश्वकर्मा, सुरेश पौनीकर,एल्डरमेन निलेश चावरिया भी उपस्थित थे।

नगरपालिका में कर्मचारियों को वेतन नही मिलने की बात पर विधायक श्री देशमुख ने प्रतिमाह कर्मचारियों को वेतन दिए जाने के निर्देश दिए है। जिस पर सीएमओ तिवारी ने बताया की आज ही कर्मचारियों का एक माह का वेतन बैंक में डाला गया है।विधायक श्री देशमुख ने पवित्र नगरी से मटन मार्केट की दुकानों का स्थान परिवर्तन करने के निर्देश दिए। इस दौरान नागपुर नाके पर स्थित नगरपालिका की 2 दुकानों को जर्जर घोषित कराकर उन्हें डिसमेंटल कर नई दूकान बनाने के संबंध में चर्चा की।

बैकुंडधाम आश्रम से रोज हाजरी लगाता है तोता

सारनी। कहते हैं कि प्रेम की कोई भाषा नहीं होती। न शब्दों की जरूरत होती है और न किसी पहचान की। ऐसा ही एक अनोखा और भावुक नज़ारा इन दिनों बैकुंठ धाम आश्रम में देखने को मिल रहा है। पिछले लगभग एक सप्ताह से हर सुबह ठीक 9 बजे एक हरा-भरा मिट्ठू, यानी तोता, बिना किसी बुलावे के आश्रम पहुंच जाता है। सबसे खास बात यह है कि यह किसी का पालतू नहीं है। यह पूरी तरह आज़ाद है,लेकिन फिर भी रोज़ाना अपनी मर्जी से आश्रम आता है। आश्रम पहुंचने के बाद कभी वह महंत जी के सिर पर बैठ जाता है, तो कभी कुर्सियों पर,तो कभी आसपास के पेड़ों और परिसर में चहलकदमी करता है। ऐसा लगता है मानो वह भी इस शांत वातावरण का हिस्सा बन गया हो। आश्रम में मौजूद लोग भी उसे अपने परिवार के सदस्य की तरह स्नेह देते हैं। कोई उसे डराता नहीं, कोई भगाता नहीं। दिनभर आश्रम में समय बिताने के बाद शाम करीब साढ़े चार बजे वह फिर खुले आसमान में उड़ जाता है। अगले दिन ठीक उसी समय उसकी वापसी हो जाती है।यह दृश्य हमें एक सुंदर संदेश देता है कि प्रेम और अपनापन केवल इंसानों तक सीमित नहीं है। यदि हम प्रकृति और जीव-जंतुओं के प्रति दया, सम्मान और स्नेह रखें, तो वे भी हम पर उतना ही विश्वास करते हैं।

वैदिक यज्ञ के साथ आंवला-जामुन के पौधे रोपे

बैतूल। आयुर्वेद शिरोमणि आचार्य बालकृष्ण के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में आयोजित जड़ी-बूटी महोत्सव के तहत भारत स्वाभिमान न्यास, बैतूल ने प्रेमगढ़ पहाड़ी कोसमी स्थित राधाकृष्ण मंदिर परिसर में औषधीय वैदिक यज्ञ, वृक्षारोपण और औषधीय पौधों के वितरण का आयोजन किया। इसके बाद प्रेमगढ़ पहाड़ी पर आंवला और जामुन के पौधे लगाए गए तथा उपस्थित लोगों को गिलोय का वितरण किया गया। इस दौरान सभी ने औषधीय पौधों के संरक्षण और पर्यावरण संवर्धन का संकल्प लिया। भारत स्वाभिमान न्यास के जिला प्रभारी

सुनील कुबड़े ने आचार्य बालकृष्ण के आयुर्वेद क्षेत्र में योगदान और उनके जड़ी-बूटी संबंधी साहित्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि औषधीय पौधों का संरक्षण स्वस्थ समाज और स्वस्थ भारत की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। पतंजलि किसान सेवा समिति के जिला प्रभारी नवनीत वर्मा ने औषधीय पौधों के महत्व और उपयोग की जानकारी दी, जबकि पतंजलि युवा भारत के जिला प्रभारी हितेश पटेल ने प्रत्येक परिवार से कम से कम एक औषधीय पौधा लगाने और उसके संरक्षण का आग्रह किया।

स्कूल के बच्चों ने ली नगरपालिका के कार्यों की जानकारी

सारनी। पीएलएस स्कूल के बच्चो ने नगर पालिका पहुंचकर नपा के कामकाज की जानकारी ली। नपा कैसे चलती है, बच्चो के सवालों ने सबको प्रभावित किया है। बच्चों ने किताबों में पढ़ी गई बातो को अपनी आंखों के सामने हकीकत में देखीं, तो उनके चेहरे पर उत्साह और मन में नई जिज्ञासाओं की चमक साफ दिखाई दी। ग्राम पंचायत सुखाढाना स्थित पीएलएस इंटरनेशनल स्कूल के लगभग 200 विद्यार्थियों ने नगरपालिका परिषद सारनी एवं जल आवर्धन योजना के अंतर्गत संचालित वाटर प्यूरीफिकेशन प्लांट का शैक्षणिक भ्रमण किया।

इस भ्रमण का उद्देश्य बच्चों को प्रशासनिक व्यवस्था और स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने की पूरी प्रक्रिया से व्यवहारिक रूप से परिचित कराना था। नगरपालिका पहुंचते ही बच्चों के मन में सवालों की झड़ी लग गई। उन्होंने उत्सुकता के साथ पूछा कि जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्र कैसे बनाए जाते हैं, चुनाव के दौरान मतदाता सूची कैसे तैयार होती है। निर्वाचन प्रक्रिया किस प्रकार संचालित होती है, नगर पालिका अध्यक्ष की क्या जिम्मेदारियां होती हैं। मुख्य नगर पालिका अधिकारी पूरे नगर के विभिन्न विभागों का संचालन और शासन की योजनाओं का क्रियान्वयन किस तरह सुनिश्चित करते हैं।नगर पालिका के अधिकारियों और कर्मचारियों ने बच्चों के हर प्रश्न का सरल और रोचक भाषा में उत्तर दिया। विद्यार्थियों ने अलग-अलग विभागों का निरीक्षण कर जाना कि नागरिकों की छोटी-बड़ी समस्याओं का समाधान किस प्रकार किया जाता है। और प्रशासनिक कार्य किस अनुशासन एवं जिम्मेदारी के साथ संचालित होते हैं। बच्चों ने कार्यालयीन अभिलेखों, दस्तावेजों और विभिन्न शाखाओं की कार्यप्रणाली को भी करीब से देखा।

पत्रकारवार्ता प्रत्यक्ष प्रणाली से छात्र संघ चुनाव कराने की मांग को लेकर एनएसयूआई जिलाध्यक्ष ने की प्रेस कॉन्फ्रेंस

जल्द ही शुरू होगा एनएसयूआई का निशुल्क सदस्यता अभियान

बैतूल। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट द्वारा छात्र संघ चुनाव कराए जाने के संबंध में दिए गए आदेश के बाद एनएसयूआई बैतूल के नवनियुक्त जिला अध्यक्ष रोहन सिंह ठाकुर ने बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर प्रदेश सरकार से छात्र संघ चुनाव प्रत्यक्ष प्रणाली से कराने की मांग की। प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए रोहन सिंह ठाकुर ने कहा कि छात्र संघ चुनाव लोकतंत्र की पहली पाठशाला हैं और छात्रों को अपने प्रतिनिधि सीधे चुनने का अधिकार मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि लिंगदोह समिति की अनुशंसाओं का पालन करते हुए प्रदेश के सभी शासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालयों में शीघ्र छात्र संघ चुनाव की तिथि

घोषित की जाए तथा चुनाव प्रत्यक्ष प्रणाली से कराए जाए जिसको लेकर एनएसयूआई द्वारा निशुल्क सदस्यता अभियान चलाया जाएगा और छात्रों को संगठन से जोड़ा जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि लंबे समय से छात्र संघ चुनाव नहीं होने के कारण छात्रों की समस्याओं को प्रभावी ढंग से उठाने वाला कोई निर्वाचित छात्र प्रतिनिधि नहीं है। इससे छात्रों की आवाज दब रही है और महाविद्यालयों में लोकतांत्रिक वातावरण भी प्रभावित हो रहा है। एनएसयूआई जिला अध्यक्ष ने कहा कि यदि प्रदेश सरकार छात्र हितों की अनदेखी करती है और प्रत्यक्ष प्रणाली से छात्र संघ चुनाव कराने में देरी करती है, तो एनएसयूआई प्रदेशव्यापी आंदोलन करने के लिए बाध्य होगी।

उन्होंने सरकार से जल्द चुनाव कार्यक्रम घोषित करने और छात्रों को लोकतांत्रिक अधिकार प्रदान करने की मांग की। एनएसयूआई के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष रोहन सिंह ठाकुर ने एबीवीपी के द्वारा जिले में लगातार की जा रही गुंडागर्दी को लेकर चिंता जताई है और आरोप लगाया है कि एबीवीपी कार्यकर्ता आए दिन कॉलेज में घुसकर छात्रों और शिक्षकों के साथ अभद्रता कर रहे हैं,एनएसयूआई उन सभी कार्यकर्ताओं पर कार्रवाई की मांग करते है जो कॉलेज का माहौल खराब कर रहे है। जिलाध्यक्ष रोहन सिंह ठाकुर ने आरोप लगाते हुए कहा कि एबीवीपी शासकीय और निजी स्कूलों में जबरदस्ती घुस कर बच्चों से शुल्क वसूल रही है और छात्रो को अपना सदस्य बना रही है जबकि स्कूलों में राजनैतिक गतिविधिया प्रतिबंधित होती है उसके बावजूद स्कूल प्रशासन उनकी मदद कर रहा है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में मुख्य रूप से कांग्रेस जिला प्रवक्ता लवलेश बब्बा राठौर, जिला उपाध्यक्ष हर्षवर्धन धोटे, जिला महासचिव मोनू बडोनिया, दानिश पारेख, मोहसिन ख़ान, एनएसयूआई के रामकुमार नागवंशी, नितिन बिस्वास, आसिफ़ अंसारी एवं अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नवप्रवेशित और वरिष्ठ विद्यार्थियों का हुआ सम्मान

बैतूल। आठनेर के प्रतिष्ठित पंडित द्वारिकादास महाविद्यालय (पीडी कॉलेज) आठनेर में दीक्षारम्भ एवं विदाई समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में नवप्रवेशित और वरिष्ठ विद्यार्थियों ने भाग लिया। समारोह महाविद्यालय के संचालक आनंद राठौर एवं प्राचार्य डॉ. ऋतु चौबे की उपस्थिति में संपन्न हुआ। प्राचार्य डॉ. ऋतु चौबे ने अपने उद्बोधन में कहा कि नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए महाविद्यालय उनके उज्ज्वल भविष्य का आधार स्तंभ साबित होगा। वहीं वरिष्ठ विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि महाविद्यालय से मिले संस्कार उन्हें समाज में दैदीप्यमान सूर्य की तरह प्रकाशवान बनाए रखेंगे। जंतुविज्ञान विभागाध्यक्ष प्रो.

सी.एल. निरापुरे ने विद्यार्थियों को महाविद्यालय की 25 वर्ष की गौरवशाली परंपरा से परिचित कराया तथा वरिष्ठ विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। वरिष्ठ प्राध्यापक प्रो. एस.आर. घोरसे ने डिजिटल प्रेजेंटेशन के माध्यम से महाविद्यालय के विभिन्न विभागों की जानकारी देते हुए प्रतियोगी परीक्षाओं एवं करियर को लेकर मार्गदर्शन प्रदान किया। प्रो. सत्येंद्र बोरबन ने नवप्रवेशित विद्यार्थियों को महाविद्यालय की आदर्श संहिता से अवगत कराया तथा वरिष्ठ विद्यार्थियों को समाज कल्याण के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ विद्यार्थियों ने अपने अनुभव नवप्रवेशित विद्यार्थियों के साथ साझा किए।